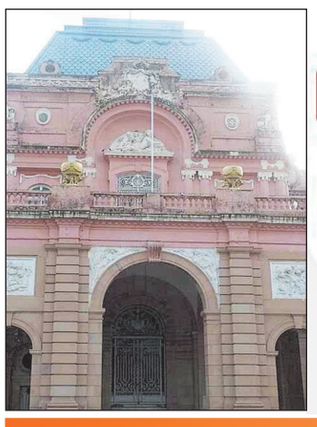

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला पेज: 7

बॉस ऑफिस नंबर और लोगों की राय अस्थाय पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 43 | गुरुवार 14 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

नीट घोटाला पर कर्नाटक में एनएसयूआई का हल्ला बोल, परीक्षा रद्द करने की उठी मांग

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने प्रश्न पत्र लीक होने के आरोपों के बाद राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) रद्द किए जाने की निंदा करते हुए कर्नाटक के कई हिस्सों में बुधवार को विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर इस राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा की शुचिता की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। बेंगलुरु, मैसुरु, चिक्कबल्लापुर, हुब्बली, रायचूर और बागलकोट में विरोध प्रदर्शनकिए गए। इस दौरान छात्रों ने परीक्षा में कथित अनिमितताओं के खिलाफ नारेबाजी की और प्रश्न पत्र लीक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। एनएसयूआई के एक नेता ने कहा, अगर अधिकारी राष्ट्रीय स्तर की अहर्ता परीक्षा उचित तरीके से आयोजित कराने के लिए सक्षम नहीं है, तो इससे पूरी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

अमित शाह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ में बड़ी बैठक, 4 राज्यों के सीएम के साथ होगा महामंथन

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 19 मई को छत्तीसगढ़ में केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली, शहरी विकास और सहकारिता जैसे क्षेत्रों में अंतरराज्यीय समन्वय और सहयोग बढ़ाने सहित कई क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी। केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश राज्य शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में सदस्य राज्यों के बीच अंतरराज्यीय सहयोग और प्रशासनिक समन्वय को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। चर्चा के प्रमुख विषयों में महिलाओं और बच्चों के

खिलाफ अपराधों की त्वरित जांच और समाधान, ग्रामीण बैंकिंग संपर्क को मजबूत करना, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को लागू करना और सार्वजनिक कल्याण क्षेत्रों में वितरण तंत्र को बेहतर बनाना शामिल हैं। सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्री, साथ ही प्रत्येक राज्य सरकार के दो वरिष्ठ मंत्री, बैठक में शामिल होंगे। इन राज्यों के मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सदस्य राज्यों के बीच.....

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 19 मई को छत्तीसगढ़ में 26वीं केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सदस्य राज्यों के बीच अपराध नियंत्रण, ग्रामीण बैंकिंग और सार्वजनिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर

भी उपस्थित रहेंगे। गृह मंत्रालय के अधीन अंतर-राज्य परिषद सचिवालय, छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से इस बैठक का आयोजन कर रहा है। पिछली 25वीं बैठक 24 जून, 2025 को वाराणसी, उत्तर प्रदेश में हुई थी। राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 से 22 के तहत स्थापित पांच क्षेत्रीय परिषदों का गठन किया गया था। इन परिषदों की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री करते हैं, जबकि सदस्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल और प्रशासक सदस्य के रूप में कार्य करते हैं। एक मुख्यमंत्री एक वर्ष के लिए बारी-बारी से उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करता है, और प्रत्येक राज्यपाल अपनी राज्य सरकार से दो मंत्रियों को सदस्य के रूप में मनोनीत करता है। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद में मुख्य सचिव स्तर की एक स्थायी समिति होती है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले इस समिति के समक्ष चर्चा के लिए प्रस्तुत किया जाता है, उसके बाद क्षेत्रीय परिषद की बैठक में आगे विचार-विमर्श के लिए लाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यापक राष्ट्रीय विकास के लिए सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद के महत्व पर बल दिया है। यह मानते हुए कि मजबूत राज्य एक मजबूत राष्ट्र बनाते हैं, क्षेत्रीय परिषदें कई राज्यों या केंद्र और राज्यों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर संवाद के लिए एक संरचित मंच प्रदान करती हैं

नीट पेपर लीक पर घिरी एनटीए, चीन के गाओकाओ मॉडल से क्यों सबक नहीं लेता भारत?

नई दिल्ली एजेंसी: चीन में लाखों छात्र जब 'गाओकाओ' जो कि राष्ट्रीय कॉलेज प्रवेश परीक्षा है देते हैं, तो हवाई उड़ानों का रास्ता बदल दिया जाता है और परीक्षा केंद्रों के पास हॉर्न बजाने व निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी जाती है। जून 2025 में, 13 मिलियन से भी ज्यादा चीनी छात्रों ने गाओकाओ की परीक्षा दी। सिर्फ.छात्रों की संख्या के लिहाज से ही यह परीक्षा, भारत की राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' की 'दादा' (सबसे बड़ी) परीक्षा बन जाती है। जहाँ एक ओर, 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी परीक्षा, पेपर लीक से जुड़े विवादों में घिरी हुई है, वहीं दूसरी ओर चीन ने गाओकाओ परीक्षा को पूरी तरह से 'त्रुटिरहित'

बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं। 3 मई को, लगभग 2.2 मिलियन (22 लाख) छात्र नीट-यूजी (राष्ट्रीय पात्रता और प्रवेश परीक्षा) में शामिल हुए, इस उम्मीद के साथ कि उन्हें मेडिकल की पढ़ाई करने का मौका मिलेगा। यह परीक्षा एनटीए द्वारा भारत में अंडरग्रेजुएट मेडिकल (एमबीबीएस), डेंटल (बीडीएस), और आयुष कोर्स में एडमिशन के लिए एकमात्र, मानकीकृत राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा के रूप में आयोजित की जाती है। यह योग्यता-आधारित चयन सुनिश्चित करती है, एकरूपता के लिए कई राज्य-स्तरीय परीक्षाओं की जगह लेती है, और भविष्य के स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए उच्च मानक बनाए रखती है। हालाँकि, लाखों छात्रों की उम्मीदें और सपने टूट गए, क्योंकि नीट-यूजी परीक्षा के ठीक आठ दिन बाद, सोमवार को प्रश्न पत्र लीक होने के आरोप सामने आए, जिसके चलते एनटीए को 3 मई की परीक्षा रद्द करनी पड़ी। नीट से जुड़े पेपर लीक के विवाद कोई नई बात नहीं हैं।

अभी महज दो साल पहले, 2024 में, देश ने इसी तरह के एक संकट का सामना किया था। 2026 का पेपर लीक विवाद यह दशार्ता है कि अधिकारी अभी भी व्यवस्थागत कमियों को पूरी तरह से दूर करने और लाखों छात्रों के त्याग व आकांक्षाओं की रक्षा करने में विफल रहे हैं। गणित के शिक्षक और 'सुपर 30' के संस्थापक आनंद कुमार ने कहा कि भारत में पेपर लीक रोकने के लिए चीन जैसी सख़्ती होनी चाहिए।

केरल सीएम की रेस में वेणुगोपाल का नाम, वायनाड में राहुल-प्रियंका को चेतावनी- ये अगला अमेठी बनेगा

केरल एजेंसी: केरल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के उभरने की अटकलों के बीच वायनाड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को निशाना बनाते हुए पोस्टर लगाए गए हैं। वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के पास लगाए गए इन पोस्टरों में चेतावनी दी गई है कि अगर कांग्रेस हाई कमांड वेणुगोपाल का समर्थन करती है तो वायनाड अगला अमेठी बन जाएगा। कुछ संदेशों में राहुल और प्रियंका को सीधे तौर पर निशाना बनाया गया था, जिनमें कहा गया था कि केरल उनके मूर्खतापूर्ण फैसलों को माफ नहीं करेगा। पोस्टरों में गांधी भाई-बहनों को वायनाड को भूल जाने की चेतावनी भी दी गई थी, और दावा

किया गया था कि वे इस निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा नहीं जीतेंगे। पोस्टरों में वेणुगोपाल की भी आलोचना की गई थी, उन्हें राहुल का सिर्फ एक सहायक बताया गया था, और यह भी कहा गया था कि अगर पार्टी नेतृत्व उनका समर्थन करता है तो विरोध प्रदर्शन और तेज हो जाएंगे। ये संदेश पार्टी के कुछ वर्गों में बढ़ती बेचैनी को दशार्ते हैं, क्योंकि पार्टी उच्च कमान की राष्ट्रीय राजधानी में परामर्श बैठकें जारी हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने विधानसभा की 140 सीटों में से 102 सीटें जीतकर एक दशक बाद ऐतिहासिक वापसी की और वाम लोकतांत्रिक मोर्चे को मात्र 35 सीटों तक सीमित कर दिया। हालांकि, यह जीत जल्द ही आंतरिक कलह में तब्दील हो गई, क्योंकि प्रमुख नेताओं के समर्थकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी तेज कर दी। केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए तीन प्रमुख नामों की चर्चा सबसे आगे है: वी.डी. सतीशान, के.सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला। यह स्थिति कांग्रेस के सत्ता संघर्ष के सभी विशिष्ट तत्व समेटे हुए है झ संगठनात्मक शक्ति बनाम विधायी नेतृत्व, पीढ़ीगत बदलाव बनाम अनुभव और दिल्ली का प्रभाव बनाम राज्य इकाई की प्राथमिकता। इस बीच, गहन खींचतान के बीच, राहुल गांधी ने मंगलवार को दिल्ली में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के पूर्व अध्यक्षों से मुलाकात की ताकि उनके विचार जान सकें और लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता को समाप्त करने में मदद मिल सके। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व द्वारा दिल्ली बुलाए गए केरल के नेताओं ने मंगलवार को महत्वपूर्ण चचाओं के दौरान मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चयन पर

संपादकीय

लीक नहीं ठीक

हमारे तंत्र की नाकामी और परीक्षा तंत्र में भ्रष्टाचारियों की बढ़ती सेंध का ही नतीजा है कि पेपर लीक के बाद नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट परीक्षा 2026 रद्द कर दी गई। भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में दाखिले के लिए तीन मई को परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें करीब पौने तेईस लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। ये परीक्षाएं देश के 551 शहरों और विदेशों के 14 शहरों में 5400 केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। दरअसल, पेपर लीक होने के आरोपों के बाद जांच एजेंसियों की सिफारिश पर परीक्षा रद्द की गई है। केंद्र सरकार ने कथित रूप से डेटा लीक और धांधली की व्यापक जांच के लिए सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि व्यवस्था में विश्वास बहाली के लिए फिर से परीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। कहा जा रहा है कि एनटीए ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा निष्कर्षों की प्रारंभिक जांच के आधार पर परीक्षा स्थगन का फैसला लिया। निस्संदेह, इस फैसले ने उन लाखों छात्रों को निराश ही किया है जो महीनों से परीक्षा की तैयारी में लगे थे। अब उन्हें नये सिरे से परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नीट प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने एनटीए व केंद्र सरकार पर तीखे हमले बोले हैं। कहा जा रहा है कि एनटीए में सुधार नहीं, अब पूरी संरचना बदलने की जरूरत है। एक संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा जा रहा है कि एनटीए के बुनियादी पुनर्गठन की जरूरत है। राजनेता पीपर लीक व प्रश्नपत्रों में गलती सामने आने को छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बता रहे हैं। साथ ही पूरी परीक्षा प्रणाली को बदलने की मांग की जा रही है। साथ ही एनटीए के उद्देश्य और कार्यक्षमता को लेकर शंका जतायी जा रही है। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि एनटीए द्वारा आयोजित 14 राष्ट्रीय परीक्षाओं में से पांच में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले उजागर हुए हैं। इनमें जेईई मेन्स 2025 उत्तर कुंजी के दोषपूर्ण होने पर प्रश्नपत्र में 12 प्रश्न वापस लेने पड़े थे। मांग है कि एनटीए को केंद्रीयकृत करने के बजाय संसद के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। वहीं एनटीए कह रहा है कि छात्रों को नया आवेदन नहीं करना होगा, न ही कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क लगेगा। यह भी कि एनटीए अपने संसाधनों का प्रयोग करके दोबारा परीक्षा आयोजित करेगी। साथ ही एनटीए ने परीक्षा में गड़बड़ी की जवाबदेही स्वीकारी है। दरअसल, आरोप है कि नीट का पेपर ह्वाक्वेश्चन बैंकह्व के जरिये लीक किया गया, जिसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी के तीन से ज्यादा सवाल थे। जिसमें आधे हूबहू परीक्षा में आए। आशंका है कि सोशल मीडिया के जरिये ये प्रश्नपत्र लाखों तक पहुंचे। हालांकि, इस मामले का खुलासा सीकर से हुआ, लेकिन कहते हैं कि पेपर पहले केरल से एक मई को आया और उसके तार नासिक से लेकर उत्तराखंड तक जुड़े थे।

क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या हल हो जायेगी?

सौरभ वार्ष्णेय

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट हर वर्ष लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। ऐसे में यदि परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, पेपर लीक या धांधली की आशंका सामने आती है, तो छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश स्वाभाविक है। इसी संदर्भ में यह सवाल उठ रहा है कि क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या का समाधान हो जाएगा? या इस पर केंद्र सरकार कड़ी कार्रवाई करते हुए ऐसे सिस्टम के नकारा लोगों पर हंटर चलायेगी जिससे इस लीक माफिया पर ऐसा करना भूल जायें।

पहली दृष्टि में पुनर्परीक्षा एक न्यायसंगत कदम प्रतीत होता है। जिन छात्रों ने ईमानदारी से मेहनत की और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया, उनके लिए दोबारा परीक्षा एक अवसर बन सकती है। इससे यह संदेश भी जाएगा कि सरकार और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्षता के प्रति गंभीर हैं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लेकिन समस्या केवल पुनर्परीक्षा तक सीमित नहीं है। यदि व्यवस्था की खामियां जस की तस बनी रहती हैं, तो दोबारा परीक्षा भी नए विवादों को जन्म दे सकती है। लाखों छात्रों पर मानसिक दबाव, अतिरिक्त आर्थिक बोझ और तैयारी की अनिश्चितता का प्रभाव पड़ता है। कई विद्यार्थी पहले ही अत्यधिक तनाव में रहते हैं; पुनर्परीक्षा उनकी मानसिक स्थिति को और कठिन बना सकती है।

असल प्रश्न यह है कि बार-बार परीक्षा कराने की नौबत क्यों आती है? जब तक परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, प्रश्नपत्र की गोपनीयता, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और जवाबदेही मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल पुनर्परीक्षा स्थायी समाधान नहीं बन सकती। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा संचालन में आधुनिक तकनीक, सख्त निगरानी और पारदर्शी जांच व्यवस्था लागू की जाए।

साथ ही, दोषियों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है। यदि पेपर लीक या भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण मिलता रहेगा, तो छात्रों का विश्वास लगातार कमजोर होगा। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बनाए रखना किसी भी लोकतंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

यदि व्यापक स्तर पर अनियमितता सिद्ध होती है तो पुनर्परीक्षा आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। वास्तविक समाधान परीक्षा प्रणाली में सुधार, जवाबदेही तय करने और छात्रों के विश्वास को पुनर्स्थापित करने में निहित है। केवल परीक्षा दोबारा कराने से नहीं, बल्कि व्यवस्था को ईमानदार और मजबूत बनाने से ही भविष्य सुरक्षित होगा।

नीट पेपर लीक करने वालों पर कार्रवाई कब?

लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की मेहनत पर पानी फेरने वाले पेपर लीक गिरोहों के खिलाफ आखिर ठोस कार्रवाई कब होगी, यह सवाल आज पूरे देश में गूंज रहा है। हर वर्ष परीक्षा के बाद पेपर लीक, धांधली और नकल माफिया की खबरें सामने आती हैं, लेकिन कार्रवाई की गति इतनी धीमी रहती है कि लोगों का भरोसा व्यवस्था पर कमजोर पड? लगता है।सरकार और जांच एजेंसियां दावा करती हैं कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कई राज्यों में गिरफ्तारियां भी हुई हैं, कुछ कोचिंग सेंटरों और दलालों पर छापेमारी भी हुई। लेकिन असली चिंता यह है कि क्या केवल छोटे एजेंटों को पकड़ लेने से समस्या खत्म हो जाएगी? जब तक इस पूरे नेटवर्क के बड़े सरगनाओं, भ्रष्ट अधिकारियों और तकनीकी मिलीभगत करने वालों तक जांच नहीं पहुंचेगी, तब तक ऐसे अपराध रुकना मुश्किल है।पेपर लीक केवल एक परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। एक मेहनती छात्र वर्षों तक तैयारी करता है, जबकि कुछ लोग पैसे और पहुंच के दम पर व्यवस्था को कमजोर कर देते हैं। इससे प्रतिभाशाली छात्रों का मनोबल टूटता है और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।जरूरत केवल कार्रवाई की घोषणा करने की नहीं, बल्कि त्वरित और उदाहरण प्रस्तुत करने वाली सजा देने की है। यदि पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बनें, डिजिटल सुरक्षा मजबूत हो, परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बने और दोषियों की संपत्ति जब्त करने जैसे कठोर कदम उठाए जाएं, तभी वास्तविक डर पैदा होगा। सरकार को यह समझना होगा कि युवाओं का विश्वास किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर लगातार प्रश्न उठते रहे, तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं, बल्कि देश की प्रतिभा और भविष्य दोनों के लिए गंभीर खतरा बन जाएगा।

ईरानी विमानों को अपने यहाँ छिपा कर पाकिस्तान ने उतार दिया 1971 का कर्ज

नीरज कुमार दुबे

1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान जब भारतीय हमलों से बचाने के लिए ईरान ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों और संसाधनों को सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराया था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि पांच दशक बाद पाकिस्तान उसी एहसान का बदला चुकाता दिखाई देगा। अब आरोप लग रहे हैं कि अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई और क्षेत्रीय तनाव के बीच पाकिस्तान ने ईरानी विमानों को अपने सैन्य ठिकानों पर सुरक्षित शरण दी। इस तरह इस्लामाबाद ने तेहरान का पुराना कर्ज तो उतार दिया है लेकिन अब वह खुद संकट में फंसता दिखाई दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की जटिल कूटनीतिक राजनीति को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि इस तरह के दावे वास्तविकता से परे हैं, क्योंकि नूर खान वायुसेना अड्डा राजधानी के अत्यंत व्यस्त और आबादी वाले हिस्से में स्थित है। पाकिस्तान का कहना है कि वहां किसी भी बड़े सैन्य बेडे या विमानों को छिपाकर रखना संभव ही नहीं है। दूसरी ओर अमेरिकी प्रशासन ने भी अब तक सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है, जिससे स्थिति और अधिक जटिल दिखाई दे रही है।

सूत्रों के अनुसार ईरान ने संभावित खतरे को देखते हुए अपने कुछ नागरिक विमानों को पड़ोसी अफगानिस्तान की ओर भेजा। अफगान नागरिक उड्डयन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि महान एयर का एक विमान संघर्ष तेज होने से पहले काबुल पहुंचा था और बाद में सुरक्षा कारणों से उसे हेरात स्थानांतरित कर दिया गया। बताया गया कि अफगान क्षेत्र में पाकिस्तानी हवाई हमलों की खबरों के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि काबुल हवाई अड्डा भी संभावित निशाना बन सकता है। इन घटनाओं ने दक्षिण एशिया के जानकारों को 1971 के दौर की याद दिला दी है। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी के नेतृत्व वाला ईरान पाकिस्तान का प्रमुख समर्थक बनकर सामने आया था। तेहरान ने इस्लामाबाद को हेलिकाप्टर, ईंधन, गोला बारूद और सैन्य उपकरणों के कलपुर्जे उपलब्ध कराए थे। कई रिपोर्टों में यह भी उल्लेख मिलता है कि पाकिस्तान के कुछ सैन्य विमानों ने ईरानी वायुसेना अड्डों पर शरण ली थी।

बाद में सार्वजनिक हुए अमेरिकी दस्तावेजों से पता चला था कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन प्रशासन ने पर्दे के पीछे ईरान को पाकिस्तान की सहायता के लिए प्रोत्साहित किया था। उस दौर में अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान को कमजोर होने से बचाना चाहते थे। शीत युद्ध के समय ईरान और पाकिस्तान दोनों सोवियत विरोधी सैन्य गठबंधन सेन्टो के सदस्य थे और निक्सन प्रशासन इन्हें क्षेत्र में सोवियत प्रभाव को रोकने वाले महत्वपूर्ण साझेदार मानता था।

पांच दशक बाद वैश्विक राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। आज ईरान अमेरिका का प्रमुख पश्चिम एशियाई प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, जबकि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में चीन का सबसे करीबी सुरक्षा सहयोगी बन चुका है। चीन ने हाल के समय में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष संपर्क स्थापित कराने में पाकिस्तान की भूमिका की सार्वजनिक सराहना भी की है। इस बदलती परिस्थिति में पाकिस्तान का संतुलन साधना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

पाकिस्तान एक ओर चीनी सैन्य उपकरणों पर अत्यधिक निर्भर है। रिपोर्टों के अनुसार 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के प्रमुख हथियार आयात का लगभग अस्सी प्रतिशत हिस्सा चीन से आया। वहीं दूसरी ओर इस्लामाबाद अमेरिका के साथ अपने सैन्य और खुफिया संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिश भी कर रहा है, जो बराक ओबामा प्रशासन के दौरान काफी कमजोर पड़ गए थे।

पाकिस्तानी अधिकारी लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि तेहरान के साथ उनके संबंध किसी गुप्त सैन्य सहयोग की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता के लिए रचनात्मक कूटनीति का हिस्सा हैं। पाकिस्तान समय समय पर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश भी करता रहा है। उसका दावा है कि दोनों देशों के साथ कार्यकारी संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता क्षेत्रीय तनाव कम करने में सहायक हो सकती है।

इसके बावजूद अमेरिकी सुरक्षा प्रतिष्ठान के एक प्रभावशाली हिस्से में पाकिस्तान को लेकर संदेह अब भी गहराई से मौजूद है। अल कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन की पाकिस्तान में मौजूदगी की स्मृति आज भी अमेरिका पाकिस्तान संबंधों पर भारी पड़ती है। अमेरिकी अधिकारी और सांसद लंबे समय से पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था के कुछ तत्वों पर इस्लामी उग्रवादी संगठनों के साथ चयनात्मक संबंध रखने के आरोप लगाते रहे हैं, हालांकि पाकिस्तान इन आरोपों को लगातार नकारता आया है।

ताजा आरोपों ने अमेरिकी संसद में भी नई बहस छेड़ दी है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान द्वारा ईरान को सैन्य सहायता या शरण देने की खबरें सही साबित होती हैं, तो अमेरिका को ईरान और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थ के रूप में इस्लामाबाद की भूमिका का पूरी तरह पुनर्मूल्यांकन करना पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की राजनीति में पुराने रिश्ते, सामरिक हित और बदलते वैश्विक गठबंधन आज भी गहराई से प्रभाव डाल रहे हैं।

बहरहाल, विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान पर आंख मूंदकर भरोसा करना अमेरिका सहित कई देशों के लिए पहले भी भारी पड़ चुका है। हाल के वर्षों में अमेरिकी रणनीतिक और सुरक्षा रिपोर्टों में भी यह संकेत दिया गया था कि पाकिस्तान की नीतियां भविष्य में अमेरिका के लिए प्रत्यक्ष चुनौती बन सकती हैं। कुछ विश्लेषणों में पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को भी ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा गया है जिनके फैसले क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ा सकते हैं और अमेरिकी हितों के लिए संकट खड़ा कर सकते हैं। यही कारण है कि वाशिंगटन में यह राय मजबूत होती जा रही है कि पाकिस्तान के साथ किसी भी सामरिक या कूटनीतिक साझेदारी में अमेरिका को अत्यंत सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी।

चिंतन-मनन

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे। उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

पंचायत सचिव द्वारा 6.60 लाख रुपये की धनराशि का दुरुपयोग करने के मामले में पंचायत सचिव निलंबित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के विकास खंड जोया के ग्राम पंचायत अधिकारी देवेश यादव को भारी वित्तीय अनियमितता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, देवेश कुमार पर ग्राम पंचायत मुबारकपुर नूरी में वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक लगभग 6.60 लाख रुपये की धनराशि का दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप है। आरोपों के विवरण में जांच अधिकारी को पत्रावली उपलब्ध न कराना, कार्यालय द्वारा जारी दो कारण बताओ नोटिस (23 अप्रैल 2026 और 6 मई 2026) का जवाब न देना, पद के दायित्वों का निर्वहन न करना और उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना, निलंबन अवधि में देवेश यादव को वित्तीय नियम संग्रह के अनुसार जीवन निर्वहन भत्ता देय होगा, जिस पर महंगाई भत्ता नहीं मिलेगा। अन्य प्रतिकर भत्ते तभी स्वीकार्य होंगे जब वे प्रमाणित करें कि व्यय वास्तव में हुआ है। इसके अलावा उन्हें यह प्रमाण पत्र देना होगा कि वह निलंबन अवधि में किसी अन्य सरकारी सेवा, व्यापार या व्यवसाय से जुड़े नहीं हैं। प्रशासन ने देवेश कुमार को विकास खंड अमरोहा से संबद्ध कर दिया है। सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), अमरोहा को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनसे एक माह के अंदर आरोप पत्र जारी कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। यह कार्रवाई स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्राम पंचायतों में वित्तीय अनियमितताओं पर प्रशासन की सख्ती जारी है।

चमत्कार, गाय ने दिया तीन बच्चों को जन्म, हर तरफ हो रही चर्चा

अमरोहा (सब का सपना): जनपद के एक गांव से अनोखी कहानी सामने आई है जहां एक गाय ने तीन बच्चों को जन्म दिया है। बताया जा रहा है कि तीनों बच्चे स्वस्थ हैं। जनपद के तहसील व थाना नौगांवा सादात के अंतर्गत ग्राम शेखूपुर इम्मा में अनीता पत्नी सौरभ सैनी का परिवार रहता है। उन्होंने जंगलों से कुछ महीनों भटक रही गाय को पकड़ा था और उसका पालन-पोषण स्वयं किया था। मंगलवार सुबह गाय ने तीन बच्चों को जन्म दिया है। गाय के द्वारा तीन बच्चों को जन्म देना अपने आप में एक अद्भुत उदाहरण है। आसपास के गांव से भी लोग इस चमत्कार को देखने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं। वहीं कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि अनीता के द्वारा गाय की सेवा करना एक पुण्य का काम है। अनीता की इस कहानी ने सभी को प्रेरित किया है और उनकी मेहनत और साहस की दाद दी जा रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला सैनिक बंधु बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की विभिन्न समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये। पूर्व सैनिकों द्वारा ईसीएचएस अस्पताल, सीएसडी कैंटीन, शस्त्र लाइसेंस, पेंशन तथा अन्य सुविधाओं से संबंधित शिकायतों और प्रस्तावों पर जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिया कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से शीघ्र किया जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने सम्बन्धित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि भूतपूर्व सैनिकों को दी जाने वाली सभी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र और प्रभावी कार्यवाही की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी अंबरीश कुमार, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कै0 विवेक कुमार, भूतपूर्व सैनिक एवं कल्याण कार्यकर्ता प्रकाश सिंह सहित अन्य अधिकारीगण एवं भूतपूर्व सैनिक उपस्थित थे।

जनगणना-2027 में पहली बार ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा

अमरोहा (सब का सपना):- भारत सरकार की जनगणना-2027 को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए इस बार पारंपरिक घर-घर गणना के साथ ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा भी शुरू की गई है। अमरोहा सहित पूरे उत्तर प्रदेश में यह सुविधा 21 मई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने बताया कि जनगणना दो चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना की जाएगी जिसमें भवन की स्थिति, कमरों की संख्या, पेयजल, शौचालय, बिजली, इंटरनेट, रसोई गैस और अन्य सुविधाओं का विवरण दर्ज किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना होगी जिसमें परिवार के प्रत्येक सदस्य का नाम, आयु, लिंग, शिक्षा, व्यवसाय, वैवाहिक स्थिति, जन्म स्थान, मातृभाषा, जाति आदि जानकारी ली जाएगी। नागरिक अब घर बैठे ऑनलाइन स्व-गणना कर सकते हैं। इसके लिए आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल https:// se. census. gov.in पर जाना होगा। वहां राज्य चुनकर कैप्चा भरने के बाद परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और वैकल्पिक ईमेल दर्ज करना होगा। ओटीपी से सत्यापन के बाद भाषा चुनें, डिजिटल मानचित्र पर घर का स्थान चिह्नित करें और परिवार की पूरी जानकारी भरें। जानकारी की समीक्षा करने के बाद सबमिट करने पर 11 अंकों की रए क्कप्राप्त होगी जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है। बाद में प्रगणक घर पहुंचकर इस रए क्कके आधार पर विवरण का सत्यापन करेंगे। परिवार का जिम्मेदार सदस्य इस प्रक्रिया को मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर से पूरा कर सकता है। पोर्टल पर हिंदी सहित 16 भाषाओं में काम किया जा सकता है। जिन नागरिकों के पास इंटरनेट की सुविधा नहीं है, उनके लिए प्रगणक 22 मई से 20 जून 2026 तक घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। डॉ0 नितिन गौड़ ने कहा कि ऑनलाइन स्व-गणना से समय की बचत होगी, त्रुटियां कम होंगी और डेटा अधिक सटीक बनेगा। जनगणना के आंकड़े भविष्य की सरकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण और विकास कार्यों की आधारशिला बनते हैं। इसलिए सभी नागरिकों से अपील है कि वे सही, पूर्ण और सत्य जानकारी भरें और उपलब्ध कराएं।

द आर्यन्स के नमन सिंह 98.2% और रिनी चौधरी 97.6% के साथ बने अमरोहा जिले के टॉपर

अमरोहा (सब का सपना):- द आर्यंस जोया की कक्षा 12 के छात्राओं ने इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया, जिसमें नमन सिंह ने 98.2% प्राप्त कर विद्यालय के साथ साथ अमरोहा जिले में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं रिनी चौधरी 97.6% अंक प्राप्त कर अमरोहा जिले में द्वितीय स्थान पर रही,अक्षी सिंह 97% ने विद्यालय में तृतीय स्थान पर रही । वहीं भूमिका चौधरी ,अंश धारीवाल विशाखा सैनी ने भी 90% से ऊपर अंक प्राप्त करने माता-पिता का नाम रोशन किया। विद्यालय टॉपर नमन सिंह ने भविष्य में आईएएस अधिकारी बन ग्रामीण क्षेत्र के विकास और उन्नत भारत में उन्नत भविष्य की असीम संभावना को पूर्ण करने की शपथ ली। विद्यालय के द्वितीय स्थान पर रही रिनी चौधरी ने भी आईएएस अफसर बन समाज में बदलाव लाने की इच्छा रखी। वही भूमिका चौधरी ने भी 94% अंक प्राप्त कर अपने आप को एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में देखने की इच्छा जाहिर की अथवा अपने विद्यालय और माता-पिता का नाम रोशन करने का संकल्प लिया । विद्यालय के प्रबंध समिति से चौधरी हरपाल सिंह जी व अनिल कुमार सिंह तथा गौरव चौधरी और अमन लिट्टू ने विद्यालय के अच्छे परिणाम के लिए सभी अध्यापकों की सराहना की व छात्र-छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी और भविष्य में भी अच्छे प्रदर्शन की आशा व्यक्त की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने उत्तम परीक्षा फल का श्रेय अभिभावकों व अध्यापकों के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को दिया। लगातार प्रैक्टिस पेपर और तीन प्री बोर्ड परीक्षाओं के कारण ही हम यह परिणाम प्राप्त कर पाएं तथा विद्यार्थियों की स्कूल में लगभग पूरी उपस्थिति ने भी इस परीक्षा फल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विद्यालय में चारों तरफ हर्ष का माहौल था और सभी शिक्षक और शिक्षिकाओं ने उत्तीर्ण छात्र छात्रों को बधाई दी।इस अवसर पर जागृति कौशिक, सुनीता चौधरी, शालिनी भारद्वाज, बी.एस. यादव, अभिषेक सुमन, अनिल कुमार, अंजना देवी, अनुज यादव, अश्विनी चौधरी, चांदनी महौर, चांदनी बत्रा, चिरंजीव कौर, धीरज चौधरी, हुमा बेबी, इस्तेखार अहमद, खुशबू चौधरी, कुमुद भारद्वाज, ममता वर्मा, मोहम्मद फुरकान सैफी, मोहिनी वर्मा, मोनिका यादव, नाहिद फातमा, नितु ,परमेन्द्र कुमार, प्रीति सिंह, प्रेरणा रावत, रचना चौधरी, राहुल शाक्य, रमन बाला, रुकय्या, सचिन कुमार शर्मा, संतोष कुमार, सरिता वर्मा, शगुफ्ता हामिद, शैलजा चौधरी, शिखा आनंद, शिवम कुमार, शिवानी गुप्ता, शिवानी सरोहा, सोनू, सुचित्रा सिंह, सुमित कुमार, सुरभि, स्वाति चौधरी, विनीत कुमार शर्मा, प्रियांशी अग्रवाल, शालिनी वर्मा, विपिन कुमार, हुमा परवीन, साक्षी गुप्ता, विधि माहेश्वरी, दीपांशी चौधरी, आफरीन जहां, रजिया खान, अरिशा खान आदि उपस्थित रहेक

मॉडिफाइड साइलेंसर पर एआरटीओ का सख्त एक्शन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में परिवहन विभाग द्वारा दोपहिया वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखे जैसी तेज आवाज निकालने वाले मोटरसाइकिल चालकों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया गया। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए दो टीमें गठित कीं। एक टीम का नेतृत्व स्वयं महेश शर्मा द्वारा किया गया, जबकि दूसरी टीम का नेतृत्व पीटीओ सुधीर सिंह ने किया। जनपद के विभिन्न संवेदनशील स्थानों – जोया पुल के नीचे, डिडौली कस्बे, अतरासी रोड और बंबूगढ़ चौराहे पर – मॉडिफाइड साइलेंसर वाली मोटरसाइकिलों की विशेष जांच की गई। चेकिंग पॉइंट देखते ही कई चालक रास्ता बदलकर भागने की कोशिश करने लगे। एआरटीओ की टीमों ने सावधानीपूर्वक वाहनों को रोका ताकि कोई दुर्घटना न हो।अभियान के दौरान आज कुल 82 मोटरसाइकिलों की जांच की गई। इनमें से 11 मोटरसाइकिलों के विरुद्ध कार्रवाई की गई, जिनमें 5 मोटरसाइकिलें सीज की गईं और 6 चालानों का नोटिस जारी किया गया। एआरटीओ महेश शर्मा ने बताया कि अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर सार्वजनिक शांति भंग करने और प्रदूषण फैलाने वाले चालकों के खिलाफ अभियान सख्ती से जारी रहेगा। उन्होंने युवा चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध मॉडिफिकेशन न करवाएं। यह अभियान जनपद में शांतिपूर्ण यातायात व्यवस्था और ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मंडी धनौरा क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन का करंट लगने से भैंसें की मौत, किसान भी झुलसा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव में हाई टेंशन लाइन में फाल्ट होने के कारण खेत में करंट फैलने से एक भैंसे की मौत हो गई वहीं खेत में काम कर रहा एक किसान भी गंभीर रूप से घायल हो गया। बिजली विभाग की इस लापरवाही को देखते हुए विभाग के खिलाफ ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। बता दें कि बुधवार को मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव मलेशिया में गन्ने की जुताई के दौरान खेत में काम कर रहे एक किसान और भैंसे को करंट लग गया जिससे भैंसे की मौके पर ही मौत हो गई और किसान बुरी तरह से झुलस गया। बताया जा रहा है कि हाई टेंशन लाइन में फाल्ट होने से खेत में करंट फैल गया जिससे यह हादसा हुआ। मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के गांव मलेशिया निवासी किसान रणवीर सिंह और उनके भाई सतवीर सिंह अपने गन्ने के खेत की जुताई कर रहे थे इसी दौरान खेत के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन में अचानक फाल्ट हो गया बताया गया कि ट्रांसफार्मर पोल पर लगा इंसुलेटर फटने से करंट पूरे खेत में फैल गया करंट की चपेट में आने से किसान का भैसा तुरंत मर गया जबकि दोनों भाइयों ने किसी तरह खेत से भाग कर अपनी जान बचाई। इस हादसे में रणवीर सिंह गंभीर रूप से करंट की चपेट में आकर झुलस गया, जिसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सतवीर सिंह को भी करंट के झटके लगे हालांकि उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है ग्रामीणों का कहना है कि यदि दोनों किसान समय रहते खेत से बाहर नहीं निकलते तो यहां एक बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि हादसे के काफी देर बाद तक विद्युत विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ गई।इस मामले में जे ई हरिशंकर कुशवाहा ने बताया कि लाइनमैन को मौके पर भेजकर लाइन को पोल से अलग कर दिया गया है उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्दी क्षतिग्रस्त लाइन को बदलवा कर बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी जाएगी और मृत भैंस की कीमत 50000 से अधिक बताई जा रही है।

धनौरा में पानी की बोतल के पैसों को लेकर दो युवकों में जमकर मारपीट,घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में स्थित एक पेट्रोल पंप पर ग्राहक और सेल्समेन के बीच पानी की बोतल के पैसों को लेकर जमकर मारपीट हो गई। जिससे मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया। वहीं मारपीट की यह पूरी घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन अनिकेत और ग्राहक सत्यम गुप्ता के बीच पहले कहा सुनी हुई जिसके बाद विवाद मारपीट में बदल गया। वीडियो में ग्राहक द्वारा सेल्समैन को लगातार तीन थप्पड़ मारते हुए देखा जा सकता है। इसके अलावा सेल्समैन अनिकेत का आरोप है कि ग्राहक ने पेट्रोल डलवाने के बाद भुगतान मांगने पर गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। वहीं ग्राहक पक्ष का कहना है कि पेट्रोल पंप कर्मी की ओर पानी की बोतलों की 2730 रुपए उधार थे पुराने पैसों के मांगने को लेकर यह विवाद हुआ। सत्यम गुप्ता के पिता विकास गुप्ता ने बताया कि उनका बेटा एलएलबी का छात्र है और कॉलेज जाने के लिए पेट्रोल भरवाने गया था। इसी दौरान पुराने उधार के पैसे मांगने पर सेल्समैन ने अभद्र व्यवहार किया जिसके बाद मामला बढ़ गया। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार पहले दोनों पक्षों के बीच बहस हुई इसके बाद देखते ही देखते मामला हाथापाई तक पहुंच गया। वीडियो में ग्राहक द्वारा करीब 3 सेकंड के भीतर सेल्समैन को लगातार तीन थप्पड़ मारते हुए देखा गया है तीसरे थप्पड़ के बाद मौके पर मौजूद लोग बीच विचाव करने पहुंचे।
इस मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच में उधारी के पैसों को लेकर विवाद की बात सामने आई है मामले की जांच की जा रही है तहरीर मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

विदेशों में नौकरी का सुनहरा मौका

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत सेवायोजन विभाग विदेशों में अच्छी नौकरियों के अवसर उपलब्ध करा रहा है। सेवायोजन विभाग द्वारा संचालित पोर्टल rojgaarsangam. up.gov.in पर जापान, जर्मनी, इजराइल और सऊदी अरब जैसे देशों में कुशल युवाओं की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। सऊदी अरब के लिए 81 पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें फैब्रिकेशन सुपरवाइजर, वेल्डर (TIG & ARC उर), पाइप फैब्रिकेटर, स्ट्रक्चरल फैब्रिकेटर, मैकेनिकल टेक्निशियन, मैकेनिकल फिटर आदि पद शामिल हैं। इच्छुक अभ्यर्थी जिनकी आयु 24 से 48 वर्ष के बीच है, हाईस्कूल/आईटीआई (मैकेनिक, वेल्डर, फिटर) या डिप्लोमा इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग पास है और 5 से 15 वर्ष का संबंधित कार्यानुभव रखते हैं, वे पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।जापान, जर्मनी एवं इजराइल में नर्सिंग (केयरगिवर/पेशेंट केयर) के पदों पर भी रिक्तियां निकाली गई हैं। इनके लिए 20 से 45 वर्ष तक की आयु वाले GNM/ANM/नर्सिंग योग्यता धारक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इन पदों पर 0 से 3 वर्ष का कार्यानुभव पर्याप्त है।वेतनमान अत्यंत आकर्षक है – सऊदी अरब में लगभग 29,773 से 99,188 रुपये, इजराइल में 1,31,818 रुपये, जापान में 1,16,976 रुपये तथा जर्मनी में 2,29,925 रुपये प्रतिमाह तक। जर्मन भाषा का निःशुल्क प्रशिक्षण भी पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए जिला सेवायोजन कार्यालय अमरोहा के मोबाइल नंबर 8005383895 अथवा टॉल फ्री न. 155330 पर संपर्क करें। उक्त रिक्तियों में आवेदन हेतु रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य है ।

मंडी धनौरा पुलिस ने वांछित बाल अपचारी को गिरफ्तार कर न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड अमरोहा भेजा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वारा एक नफर वांछित बाल अपचारी को गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड जनपद अमरोहा के समक्ष पेश किया गया है। इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वाहन एवं तलाश वांछित लोगों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया एवं क्षेत्राधिकारी मंडी धनौरा अंजलि कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वारा किया गया। मंडी धनौरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार वांछित बाल अपचारी संबंधित मु0अ0स0146/2026 धारा 137(2)/64 बीएनएस व धारा 3/4 पोक्सो एक्ट को गिरफ्तार कर निगरानी पुलिस में लिया गया।बाल अपचारी उपरोक्त को संबंधित न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड जनपद अमरोहा के समक्ष पेश किया गया है।

पुलिस टीम पर ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या के प्रयास मामले में तीन वांछित गिरफ्तार

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी और अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में थाना धनारी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में बुधवार को पुलिस टीम ने पुलिस पर जानलेवा हमला करने के मामले में तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में अवधेश पुत्र मोहकम सिंह , रामवीर सिंह पुत्र परमेश्वरी तथा विजय सिंह पुत्र रनवीर सिंह शामिल हैं। तीनों आरोपियों को उनके घरों से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद सभी को न्यायालय चन्दौसी में पेश किया गया। घटना 12 मई की बताई जा रही है, जब उपनिरीक्षक सदाकत अली अपने हमराही आरक्षी कादिर चौधरी के साथ थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था एवं वारण्टी तलाश अभियान के दौरान ग्राम बहीपुर से सिरौरा काजी जाने वाले मार्ग पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मिट्टी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखाई दी, जिसमें चालक सहित कई लोग सवार थे।

पुलिस ने जब ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया तो ट्रॉली में बैठे आरोपियों ने चालक अवधेश को पुलिस टीम पर ट्रैक्टर चढ़ाने के लिए उकसाया। आरोप है कि अवधेश ने जान से मारने की नीयत से तेज रफ्तार में ट्रैक्टर पुलिस टीम की ओर बढ़ा दिया, जिससे आरक्षी कादिर चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रैक्टर उनके पेट पर चढ़ गया, जिससे वह मरणासन्न अवस्था में पहुंच गए। घटना के बाद आरोपी ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर छोड़कर फरार हो गए थे। मामले में थाना धनारी पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा लगातार दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

कुदरत का कहर, तेज आंधी-तूफान और बारिश से मचा हड़कंप

चितनपुर गांव में मकान पर गिरा विशाल पेड़, दीवार चटकी और बिजली का खंभा टूटा

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में बुधवार सुबह मौसम ने अचानक भयावह रूप धारण कर लिया। तेज आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया। कई स्थानों पर पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर पड़े, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं के कारण बिजली व्यवस्था भी चरमरा गई। बहजोई थाना क्षेत्र के गांव चितनपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक विशाल पेड़ उखड़कर गांव निवासी जान मोहम्मद पुत्र अली बख्श के मकान पर जा गिरा। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। हादसे में मकान की दीवार चटक गई, जबकि पास में लगा बिजली का खंभा भी टूटकर नीचे गिर पड़ा और बिजली के तार लटकने लगे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। गनीमत यह रही कि घटना के समय परिवार के लोग सुरक्षित रहे और कोई जनहानि नहीं हुई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों ने तुरंत प्रशासन और बिजली विभाग को सूचना दी। घटना के बाद गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई और हर कोई इस प्राकृतिक आपदा को लेकर सहमा नजर आया। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द राहत कार्य चलाकर टूटे पेड़ हटाने और बिजली व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

डीएम की अध्यक्षता में दर्पण पोर्टल पर विकास कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल की अध्यक्षता में दर्पण पोर्टल पर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में गत तीन माह के दौरान दर्पण पोर्टल पर कम रैंकिंग प्राप्त करने वाले विभागों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार द्वारा विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट एवं कम प्रदर्शन वाले बिन्दुओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान 15वें राज्य वित्त आयोग एवं 5वें राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, आर.आर.सी. सेंटर तथा आर.आर.सी. सेंटर हेतु भूमि उपलब्धता के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने प्राथमिकता वाले कार्यों एवं मदवार धनराशि की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में ई-कवच एवं मंत्रा पोर्टल की प्रगति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ई-कवच एवं मंत्रा ऐप के डेटा में किसी प्रकार का गैप न रहे तथा रैंकिंग सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति योजनाओं, पोर्टल फीडिंग एवं विभागीय रैंकिंग की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने नए आवेदनों की संख्या बढ़ाने पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। साथ ही पूर्व में किए गए आवेदनों की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि जिन आवेदकों द्वारा अभी तक वेंडर का चयन नहीं किया गया है, उनसे विभागीय स्तर पर दूरभाष के माध्यम से संपर्क स्थापित किया जाए। विभिन्न बैंकों में लंबित आवेदनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने बैंक प्रतिनिधियों के साथ पृथक बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए। जल निगम (ग्रामीण) विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन के प्रमुख बिन्दुओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक माह की 25 तारीख से माह के अंतिम दिवस तक सभी संबंधित विभागों से डेटा प्राप्त कर संकलित रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, डिप्टी कलेक्टर रामानुज, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र में सुलह-समझौते से जुड़े तीन परिवार

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज रावत के निदेर्शानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में आयोजित की गई। बैठक परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई, जिसमें पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास किया गया। काउंसलरों के सहयोग से दोनों पक्षों की बात सुनकर सुलह-समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण कराया गया। बैठक में कुल 16 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 3 मामलों का निस्तारण कर तीन परिवारों को मिलाकर समझौता कराया गया। परिवारों को आपसी संवाद और सहमति के साथ जीवन यापन करने की सलाह भी दी गई। इस दौरान काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने चौपाल लगाकर बांटी सुरक्षा हेल्पलाइन की जानकारी

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत बुधवार को जनपद सम्भल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन तथा नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी चन्दौसी/सहायक नोडल अधिकारी मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रों में चौपाल आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए महिला संबंधी समस्याओं के समाधान की जानकारी दी गई। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित वातावरण देने का भरोसा दिलाया।

इसके साथ ही मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी पंपलेट वितरित कर दी गई। महिला पुलिसकर्मियों ने वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता लेने की अपील की।

वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, हम सुधरेंगे-युग सुधरेगा का लिया संकल्प

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित गायत्री परिवार के सदस्य कालीचरण वार्ष्णेय द्वारा जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल को प्रभु श्रीराम का दुपट्टा, गंगा मैया का पवित्र गंगाजल, गायत्री मंत्र लेखन की कॉपी तथा अखंड ज्योति पुस्तक भेंट की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन आध्यात्मिक पुस्तकों और धार्मिक प्रतीकों से सकारात्मक विचारों का संचार होता है तथा गायत्री माता की कृपा बनी रहती है। कालीचरण वार्ष्णेय ने बताया कि नगर बहजोई में स्टेशन रोड तथा चितौरा रोड पर गायत्री परिवार की संस्थाएं सक्रिय रूप से संचालित हो रही हैं, जहां नियमित रूप से हवन-पूजन, साधना, गोष्ठी, योग एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। गायत्री परिवार का उद्देश्य समाज में नैतिकता, आध्यात्मिकता और संस्कारों का प्रचार-प्रसार करना है। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में कालीचरण वार्ष्णेय द्वारा सूरजमुखी सहित विभिन्न फूलों के पौधे अपने हाथों से लगाए गए तथा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। उन्होंने वृक्ष लगाओ-जीवन बचाओ और हम सुधरेंगे-युग सुधरेगा का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने गायत्री परिवार द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यों की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे अभियान को प्रेरणादायक बताया।

गोद भराई की दावत के बाद 3 दर्जन लोग बीमार, बासी भोजन से फूड पॉइजनिंग की आशंका

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव सलंगवा में आयोजित गोद भराई समारोह की दावत अगले दिन कई परिवारों के लिए परेशानी का कारण बन गई। कार्यक्रम में शामिल लोगों द्वारा मंगलवार को बचा हुआ भोजन खाने के बाद करीब 30 से 35 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। बीमार लोगों में बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार को गांव सलंगवा में गोद भराई कार्यक्रम आयोजित हुआ था, जिसमें हापुड़ जिले के किठौर गांव से भी रिश्तेदार और मेहमान पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि मंगलवार को दावत का बचा हुआ भोजन खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। भोजन करने के कुछ समय बाद ही कई लोगों को उल्टी, पेट दर्द और दस्त की शिकायत हुई, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। एसडीएम प्रियंका गोयल, सीओ विकास प्रताप सिंह, थाना प्रभारी सुदेश कुमार समेत प्रशासनिक और पुलिस टीम गांव पहुंची तथा पीड़ित परिवारों से जानकारी ली। अधिकारियों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहांगीराबाद पहुंचकर भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की। मामले को गंभीरता से लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। फूड इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने दावत में परोसे गए पनीर और छोले के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बीमारी की वजह बासी भोजन था या खाद्य सामग्री में किसी प्रकार की कोई मिलावट थी।

आंधी-बारिश में हाईवे पर गिरे कई पेड़, यातायात हुआ बाधित

यातायात प्रभारी जग रोशन सिंह ने टीम के साथ पहुंचकर खुलवाया मार्ग

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में बुधवार को तेज आंधी और बारिश के दौरान मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर बहजोई-बबराला रोड मार्ग पर अचानक 4 से 5 पेड़ सड़क पर गिर पड़े, जिससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। खराब मौसम के बीच राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही यातायात प्रभारी जग रोशन सिंह ने तत्परता दिखाते हुए अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कराया। लगातार खराब मौसम के बावजूद पुलिस टीम ने हिम्मत दिखाते हुए लकड़ी काटने वाले ठेकेदार और जेसीबी मशीन की मदद से सड़क पर गिरे पेड़ों को हटवाया। कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग को पूरी तरह साफ कराया गया, जिसके बाद यातायात सुचारू रूप से चालू हो सका। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आम नागरिकों और वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली। स्थानीय लोगों ने भी यातायात पुलिस की तत्परता और जिम्मेदारी की सराहना की।

चैंबर विवाद में पीड़ित परिवार संग सैकड़ों अधिवक्ता पहुंचे एसएसपी कार्यालय, निष्पक्ष जांच की मांग की

बुलंदशहर (सब का सपना):- चैंबर कब्जाने को लेकर हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया। मामले में पीड़ित परिवार के साथ सैकड़ों अधिवक्ता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिले और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। पीड़ित पक्ष के अनुसार अधिवक्ता सलेख चन्द के चैंबर पर कब्जे के प्रयास को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि अधिवक्ता इमामुद्दीन 8-10 लोगों के साथ पहुंचकर चैंबर का ताला तोड़ रहे थे। सूचना मिलने पर सलेख चन्द मौके पर पहुंचे और इसका विरोध किया।

परिवार का आरोप है कि विरोध करने पर साथ आए लोगों ने सलेख चन्द और उनके अधिवक्ता पुत्र के साथ मारपीट की तथा जानलेवा हमला किया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

पीड़ित परिवार ने बताया कि उक्त चैंबर का आवंटन दिवंगत अधिवक्ता सलीम अख्तर ने विधिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद सलेख चन्द के पक्ष में कराया था। इसके बावजूद जबरन कब्जे का प्रयास किया गया।

पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि सलेख चन्द और अन्य अधिवक्ताओं को झूठे मुकदमे में फंसाने के लिए गोलीकांड की साजिश रची गई। इस संबंध में एसएसपी से मिलकर निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और पूरे प्रकरण की सत्यता सामने लाने की मांग की गई है।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

अभिभावकों ने डीडीपीएस और अन्य निजी संस्थानों के खिलाफ दिया ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ अभिभावक सड़कों पर उतर आए। अभिभावकों ने डीडीपीएस और अन्य निजी संस्थानों के खिलाफ प्रदर्शन किया और डीएम से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की। बिजनौर अभिभावक संघ की बैठक बुधवार को शहर के मोहल्ला जाटान में धर्म सिंह के आवास पर हुआ। सभा की अध्यक्षता सोनल चौहान और संचालक अभिषेक वत्स ने किया। सभा को संबोधित करते हुए अभिभावक संघ के अध्यक्ष निपेंद्र देशवाल एडवोकेट ने कहा कि निजी स्कूल निरंकुश हो चुके हैं। अवैध वसूली से लेकर कॉपी किताबों पर मुनाफाखोरी तय कर रहे हैं। जहां एक और मोदी और योगी का सपना है कि सब पढ़ेंगे, सब बढ़ेंगे, वहीं निजी स्कूल शिक्षा को और महंगा करते जा रहे हैं। देशवाल ने कहा

कि निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ अभिभावक संघ फिर से सड़कों पर उतरेगा। अपने विचार व्यक्त करते हुए रोहिणी ने कहा कि स्कूलों में भिन्न मदो पर हम सबसे पैसा लिया जाता है और उसका कोई रिकॉर्ड भी नहीं होता। स्कूलों में जबरन ऐसी किताबें लगाई जाती है जिनका उपयोग नहीं है। बैठक के बाद बड़ी संख्या में अभिभावक डीएम कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन दिया ज्ञापन में कहा कि जिले के निजी स्कूलों में अवैध वसूली व मनमानी फीस वसूली अपने चरम पर है। इसी क्रम में जिला मुख्यालय पर संचालित डी.डी.पी.एस. स्कूल में जबरन वसूली का मामला संज्ञान में आया है, जिसमे स्कूल द्वारा अभिभावकों से 750 रुपये मांगे जा रहे है, जबकि उन पैसों का कोई भी औचित्य नही है। जब अभिभावक स्कूल प्रशासन से मिले तो उन्होंने कोई सन्तोष जनक उत्तर नहीं दिया। उल्टा अभिभावको यो धमकी देते हुए कहा कि अपने बच्चों का नाम कटा लो, हम अपनी शर्तों पर ही पढ़ायेगें, हमारा प्रबंधन ऊँची राजनीति पहुंच वाला है, आप कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिला अभिभावक संघ ने डीएम से मांग की कि डीडीपीएस सहित समस्त जिले के निजी स्कूलों में हो रही अवैध वसूली पर प्रतिबन्ध लगाया जाए।

ज्ञापन देने वालों में निपेंद्र देशवाल, अभिषेक वत्स, सीमा भारती, मीनाक्षी शर्मा, सोनल चौहान, मोहित, सुनीता, सविता, अर्चना तिवारी, मीना सिंह, कोमल, पूजा, ममता, प्रीति, मनीष, नीलम, रेनू, सुमन, मोहित चौधरी, श्वेता शर्मा, देवेंद्र कुमार, सुषमा, अक्षय कुमार, अलका, शहनाज, भावना शर्मा, पूजा तोमर, कविता, राजवीर, मीना, किरण, हिना, मीनू, विनोद, अबुल हसन, जितेंद्र कुमार आदि बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल रहे।

नहटौर में आवारा कुत्तों का आतंक, सभासदों ने नगर पालिका को सौंपा ज्ञापन

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन लोगों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों पर हमले की घटनाओं से नगरवासी भय और चिंता के माहौल में जीने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन इस गंभीर समस्या को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। बताया जा रहा है कि बीते एक वर्ष के भीतर आवारा कुत्ते एक दर्जन से अधिक बच्चों को घायल कर चुके हैं। हाल ही में नगर के एक मोहल्ले में एक बुजुर्ग व्यक्ति पर भी कुत्तों ने हमला कर दिया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके बावजूद नगर पालिका स्तर पर प्रभावी कार्रवाई न होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक से परेशान होकर बुधवार को नगर पालिका के सभासदों ने अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों को पकड़ने और लोगों को राहत दिलाने के लिए तत्काल अभियान चलाया जाए। सभासद विशाल हाशमी, बिजेंद्र, बिट्टू सैनी, अतीक कुरैशी और रामअवतार सैनी ने कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उनका कहना है कि नगरवासी भय के साये में जीवन व्यतीत कर रहे हैं और छोटे बच्चों का घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है।

सभासदों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। फिलहाल नगर पालिका प्रशासन की ओर से मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

अंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने से गांव में आक्रोश, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर लाल उर्फ उदूपुरा में बुधवार सुबह बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब सात बजे ग्रामीणों ने धर्मशाला परिसर में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त अवस्था में देखा। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो

गई और लोगों ने घटना पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सूचना पर थाना धामपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए साक्ष्य जुटाने का कार्य शुरू किया। गांव निवासी सुधीर कुमार पुत्र जयप्रकाश सिंह की तहरीर के आधार पर पुलिस मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और संदिग्ध गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में जल्द कार्रवाई कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। इधर, ग्रामवासियों के सहयोग से नई प्रतिमा स्थापित कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। मौके पर कानून व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बताई जा रही है।

एआईएमआईएम का प्रदर्शन, नितेश राणे के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा नेता नीतीश राणे के कथित विवादित बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि नितेश राणे ने एआईएमआईएम को आतंकवादी संगठन बताते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की तुलना

ओसामा बिन लादेन से की। साथ ही मदरसों को लेकर दिए गए बयान पर भी एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि एआईएमआईएम भारतीय चुनाव आयोग में पंजीकृत एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल है और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष कई बार सांसद रह चुके हैं। उनका कहना था कि इस प्रकार के बयान संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनाव आयोग की मयार्दाओं के खिलाफ हैं। कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि संवैधानिक पद पर रहते हुए इस तरह की भाषा का प्रयोग करने वाले नितेश राणे को महाराष्ट्र सरकार के मंत्रिमंडल और विधानसभा सदस्यता से बर्खास्त किया जाए। साथ ही उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की भी मांग उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपने विरोध को दर्ज कराया। इस मौके पर निशांत फातिमा, माधो राम शास्त्री, आफताब मोहम्मद, आरिफ दाऊद, इदरीस मोहम्मद, सरताज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र ने दिया अनोखा संदेश, पेट्रोल-डीजल बचत के लिए ई-रिक्शा और बस से किया सफर

बिजनौर (सब का सपना):- पेट्रोल-डीजल की बचत और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्व सांसद कुँवर भारतेंदु सिंह ने अनोखी पहल करते हुए निजी वाहन का उपयोग छोड़ ई-रिक्शा और सरकारी बस से सफर किया। उनकी इस पहल की जिलेभर में चर्चा हो रही है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन बचत को लेकर दिए गए संदेश से प्रेरित होकर पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र ने आमजन को जागरूक करने का प्रयास किया। उन्होंने बिजनौर शहर में ई-रिक्शा से

सफर किया और बाद में अपने घर जाने के लिए सरकारी बस का उपयोग किया। पूर्व सांसद ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि देशहित और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जहां संभव हो, वहां सार्वजनिक परिवहन और साझा वाहनों का प्रयोग करें। उनकी इस पहल को लोगों ने सकारात्मक संदेश बताया। कई लोगों का कहना है कि जब जनप्रतिनिधि स्वयं सादगी और बचत का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तो समाज पर उसका अच्छा प्रभाव पड़ता है। पूर्व सांसद की इस पहल को लेकर सोशल मीडिया पर भी चचाएं तेज हैं। लोग इसे जनजागरूकता की दिशा में एक सकारात्मक कदम मान रहे हैं।

रोम में देखी थी उत्तर प्रदेश के THR मॉडल की झलक, बिजनौर आकर किया साकार अनुभव

बिजनौर (सब का सपना):- संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (UN-WFP) की रिजनल न्यूट्रीशन एडवाइजर नोरा हॉब्स ने जनपद बिजनौर के विकास खंड नूरपुर स्थित THR प्लांट, मंडोरा ग्राम के आंगनवाड़ी केंद्र तथा महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित स्थानीय विदुर प्रेरणा ब्रांड के उत्पादों का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय महिला सशक्तिकरण के इस समग्र मॉडल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे एक अद्वितीय, प्रेरणादायक एवं विश्व स्तर पर अनुकरणीय अनुभव बताया। नोरा हॉब्स ने कहा कि "The true strength of any nutrition system lies in people connecting with people. भारत में मैंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ठफ्छट) के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत और प्रेरणादायक मॉडल देखा, जहां

महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन की नेतृत्वकर्ता हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष रोम में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्य सचिव द्वारा THR प्लांट की कार्यप्रणाली पर एक प्रस्तुति दी गई थी, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पूरे प्लांट का संचालन करते हुए दिखाया गया था। उसी समय उन्होंने यह संकल्प लिया था कि भारत आने पर वह इस मॉडल को स्वयं देखने अवश्य आएंगी। आगे नोरा हॉब्स ने कहा कि यह Women Empowerment in Action का उत्कृष्ट उदाहरण है। यहां स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, ब्रांडिंग और सप्लाई चेन के प्रत्येक चरण को जिस आत्मविश्वास और दक्षता से संचालित कर रही हैं, वह वास्तव में अद्भुत है। इस अवसर पर जिला प्रबंधक, गोविंद शर्मा, योगेन्द्र सिंह, खंड विकास अधिकारी, नूरपुर, सहायक विकास अधिकारी (ग्रामीण), नूरपुर, तथा THR नोडल BMM ' अतुल कुमार उपस्थित रहे। सलीम अहमद, सहायक विकास अधिकारी ग्राम्य विकास ने कहा कि यह जनपद बिजनौर ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (UN-WFP) की Regional Nutrition Advisor ने स्वयं यहां आकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी हमारी स्वयं सहायता समूह की दीदियों के कार्यों को देखा, सराहा और उनका उत्साहवर्धन किया। बिजनौर का यह मॉडल महिला सशक्तिकरण, पोषण सुरक्षा एवं ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में उभर रहा है, जिसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है।

सरकारी स्कूल में करंट लगने से छात्र घायल, मचा हड़कंप

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। स्कूल में पढ़ने गए एक छात्र को अचानक करंट लग गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। घटना के बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में चिंता का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार नगीना क्षेत्र के ग्राम रमपुरा स्थित सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला छात्र हरीश पुत्र ब्रह्मपाल अचानक करंट की चपेट में आ गया। घायल छात्र खानपुर गांव का निवासी बताया जा रहा है। हादसे के तुरंत

बाद स्कूल स्टाफ और स्थानीय लोगों की मदद से छात्र को उपचार के लिए नगीना स्थित जे.के. अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार छात्र की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है और उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। इस हादसे के बाद स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि स्कूल परिसर में विद्युत व्यवस्था सुरक्षित होती, तो इस तरह की घटना नहीं होती। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि छात्र को करंट किस कारण लगा। घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की बात कही जा रही है। अब देखना होगा कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है या मामला जांच तक ही सीमित रह जाता है।

33 हजार की लाइन में दौड़ा करंट, किसान नेता की पुत्री गंभीर रूप से झुलसी, बिजली विभाग के खिलाफ धरने पर बैठे किसान

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में बिजली विभाग की कथित लापरवाही एक बार फिर भारी पड़ गई। भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) संगठन के महासचिव सुरेंद्र चौधरी की पुत्री गंभीर विद्युत हादसे का शिकार हो गईं। घटना के बाद किसान संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में किसान बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचकर धरने पर बैठ गए। जानकारी के अनुसार भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) के महासचिव सुरेंद्र चौधरी की पुत्री अपने पति के साथ पराग डेयरी के पीछे स्थित कॉलोनी में बने मकान में रहती हैं। बताया जा रहा है कि उनका परिवार बाहर नौकरी करता है और हाल ही में घर आया हुआ था। गुरुवार सुबह उनकी पुत्री घर की छत पर कपड़े सुखाने के लिए पहुंची थीं। आरोप है कि पास से गुजर रही 33 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन, जो पहले बंद बताई जा रही थी, अचानक चालू हो गई और करंट फैल गया। करंट की चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से झुलस गईं। परिजनों और आसपास

के लोगों ने आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने मेरठ रेफर कर दिया। बाद में उन्हें दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आक्रोशित हो उठे। बड़ी संख्या में किसान बिजनौर स्थित बिजली विभाग कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। किसानों ने संबंधित विद्युत जेई को घंटों अपने बीच बैठाए रखा और विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया। किसान नेताओं का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण आए दिन लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि कई बार जर्जर और खतरनाक विद्युत लाइनों की शिकायत की जाती है, लेकिन विभाग समय पर कार्रवाई नहीं करता। किसानों ने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। धरने पर मौजूद किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलनको और तेज किया जाएगा। फिलहाल बिजली विभाग की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

छप्पर में रखे 13 हजार रुपये उड़ा ले गए चोर, CCTV में कैद हुई वारदात

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद के संतोषी माता रास्ता रोड क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला के साथ चोरी की घटना सामने आने से इलाके में हड़कंप मच गया। अज्ञात युवक महिला के छप्पर में रखी नकदी चोरी कर फरार हो गए। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार बुजुर्ग महिला खेतों में सब्जी काटकर किसी तरह अपना पालन-पोषण करती हैं। बताया जा रहा है कि महिला ने अपने 13 हजार रुपये कपड़े में बांधकर छप्पर में सुरक्षित रखे हुए थे। इसी दौरान

दो अज्ञात युवक वहां पहुंचे और मौका पाकर नकदी चोरी कर फरार हो गए।

कुछ देर बाद जब महिला को रुपये गायब होने की जानकारी हुई तो उसके होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। बाद में पास में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें दो युवक संदिग्ध रूप से आते-जाते दिखाई दिए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है तथा जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में भी नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मेहनत-मजदूरी कर जीवन यापन करने वाली बुजुर्ग महिला के साथ हुई इस घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
गुरुवार 14 मई 2026
www.sabkasapna.com

एनआईए को मिला पुर्तगाल से पकड़कर लाए गए गैंगस्टर शेरा का 2 दिन का ट्रांजिट रिमांड, मोहाली में होगी पूछताछ

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने बुधवार को इकबाल सिंह उर्फ शेरा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को दो दिन का ट्रांजिट रिमांड दे दिया है। शेरा को हाल ही में पुर्तगाल से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। कोर्ट के आदेश के बाद अब उसे पंजाब के मोहाली स्थित एनआईए विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। एनआईए ने शेरा के खिलाफ गंभीर आरोपों में केस दर्ज किया है। प्रत्यर्पण के बाद दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में उसे पेश किया गया था, जहां एनआईए ने ट्रांजिट रिमांड की मांग की। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए 2 दिन का रिमांड मंजूर कर दिया। ट्रांजिट रिमांड का मतलब है कि आरोपी को एक राज्य से दूसरे राज्य ले जाते समय या जांच एजेंसी को सौंपते समय दिया जाता है। शेरा को अब मोहाली ले जाकर आगे की पूछताछ की जाएगी। एनआईए के अनुसार, इकबाल सिंह उर्फ शेरा पर संगठित अपराध, आतंकवाद से जुड़े फंडिंग और अन्य गंभीर मामलों में जांच चल रही है।

'पूरी पीढ़ी को बर्बाद...', पोर्न एप्स पर दिल्ली एचसी का सख्त रुख, गूगल और एपल को कार्रवाई का निर्देश

नई दिल्ली। पोर्न को बढ़ावा देने वाले एप पर सख्त कार्रवाई करने का गूगल व एपल को आदेश देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि देश की पूरी पीढ़ी को बर्बाद होने की इजाजत नहीं दे सकती। कोर्ट ने कहा कि एपल के एप स्टोर और गूगल प्ले पर उपलब्ध ऐसे एप के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने कहा कि गूगल व एपल जैसे मध्यस्थों की जिम्मेदारी है कि प्ले-स्टोर व एपल स्टोर पर अपलोड किए जाने के दौरान वे ऐसे एप के खिलाफ न केवल कार्रवाई करें। पूरी सावधानी बरतने की सलाह पीठ ने कहा कि ऐसे एप की पहुंच को देखते हुए अदालत की राय है कि आइटी (मध्यस्थों के लिए दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम-2021 के तहत इंटरनेट मीडिया मध्यस्थों को न केवल ऐसी कोई शिकायत मिलने पर, बल्कि ऐसे एप को अपने प्लेटफार्म पर अपलोड करने की अनुमति देते समय भी पूरी सावधानी बरतते हुए सबसे अहम भूमिका निभानी होगी। उक्त टिप्पणी के साथ पीठ ने निर्देश दिया कि मध्यस्थ यह सुनिश्चित करें कि ऐसे एप का प्रसार तुरंत रोका जाए और 2021 के आइटी नियमों का अक्षरशः पालन किया जाए।

कृषि आय पर टैक्स लगाने की मांग वाली याचिका खारिज, हाई कोर्ट ने विधायिका को बताया अधिकार क्षेत्र

नई दिल्ली। दिल्ली में कृषि आय पर टैक्स लगाने के निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि याचिका में उठाई गई मांग पूरी तरह से विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आती है और अदालत का इस संबंध में कोई आदेश पारित करना सही नहीं है। याचिकाकर्ता आकाश गोयल ने कृषि आय को टैक्स से लगातार दी जा रही छूट को चुनौती दी गई थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि इस छूट से आर्थिक असमानता पैदा होती है और ज्यादा आय वाले लोग इसका गलत फायदा उठाते हैं।

जीटी करनाल हाईवे पर तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को मारी टक्कर, 10 साल की बच्ची समेत तीन की मौत

बाहरी दिल्ली। जीटी करनाल हाईवे पर बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में 10 साल की बच्ची, ऑटो रिक्शा चालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। घायलों में पिता व पुत्र की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में बेटी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अलीपुर के शनि मंदिर के पास तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मारी। टक्कर में ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। ऑटो रिक्शा में सात लोग सवार थे, एक परिवार के चार लोग शामिल थे। बेटी की मौत हो गई और पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। चौथे सदस्य को मामूली चोट आई। हादसे में जान गंवाने वाले तीसरे शख्स की अभी पहचान नहीं हो पाई है। हादसे के बाद ऑटो में बुरी तरह फंसा एक शख्स हादसे के बाद एक व्यक्ति ऑटो में बुरी तरह फंस गया, जिसे दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। घायलों को तुरंत राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल विभाग, कैट्स एंबुलेंस, ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

दिल्ली में संदिग्ध हाल में दो माह की गर्भवती की मौत, तीन महीने पहले हुई थी शादी

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के खिचड़ीपुर इलाके में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय नीलम के रूप में हुई है। तीन माह पहले ही शादी हुई थी। ससुराल पक्ष का दावा है कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, जबकि मायके वालों ने इसे हत्या बताते हुए ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कल्याणपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। नीलम मूल रूप से नोएडा के राहुल विहार, सेक्टर-62 की रहने वाली थी। करीब तीन महीने पहले उनकी शादी खिचड़ीपुर निवासी राहुल नाम के युवक से हुई थी। राहुल नगर निगम में अस्थायी कर्मचारी है। दो महीने की गर्भवती थी मृतका मृतका के भाई निशांत ने बताया कि नीलम दो महीने की गर्भवती थी। सोमवार रात को उनकी बहन से फोन पर बात हुई थी। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उन्होंने नीलम को फोन किया, लेकिन उठाया नहीं। इसके बाद युवक ने अपने जीजा राहुल को फोन किया तो उसने बताया कि वह ऑफिस में है और घर पर उसकी भाभी है। वह उन्हें कॉल करके बात कर ले। उसकी भाभी ने भी फोन नहीं उठाया। दोपहर डेढ़ बजे राहुल ने उन्हें फोन करके बताया कि नीलम चुन्नी के सहारे पंखे से लटकी हुई है। नीलम के मायके पक्ष के लोग एलबीएस अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत हो गई। आरोप है राहुल व उसका परिवार दहेज के लिए नीलम को परेशान करते थे।

भाजपा वाले पेपर लीक करवा रहे...', केजरीवाल का केंद्र और सीबीआई पर बड़ा हमला; बोले- नेपाल की तरह देश में लाएं बदलाव

नई दिल्ली। एएपी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर गंभीर सवाल उठाए। केजरीवाल ने युवाओं के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सीबीआई जांच पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि पहले के मामलों में भी एजेंसी प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। दावा किया कि एक पुराने मामले में मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार तो किया गया, लेकिन 90 दिन तक चार्जशीट दाखिल नहीं की गई, जिसके चलते आरोपी को जमानत मिल गई। केजरीवाल का दावा- अब तक 93 पेपर लीक केजरीवाल ने कहा कि अब तक देश में 93 पेपर लीक हो चुके हैं और इनमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों के नाम प्रमुखता

से सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन घटनाओं में करीब 6 करोड़ युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि जिन लोगों पर संदेह है, उनका संबंध राजस्थान से जुड़ा हुआ है। साथ ही आरोप लगाया कि पूरे तंत्र में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े लोग पेपर लीक करवाने में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने युवाओं से राजनीतिक बदलाव की अपील करते हुए कहा कि अगर नेपाल का युवा वहां की सरकार बदल सकता है, तो देश का युवा भी भाजपा के मंत्रियों को बदल सकता है। भारत की विदेश नीति पर भी उठाया सवाल इसके अलावा केजरीवाल ने भारत की विदेश नीति को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि रूस से आ रहे गैस से भरे जहाज को भारत सरकार ने रास्ते में रुकवा दिया और यह सब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इशारे पर किया गया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश ट्रंप की बात नहीं मान रहे, तो भारत सरकार ऐसा क्यों कर रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमनाथ को बताया भारत का स्वाभिमान, गौरी शंकर मंदिर में किया जलाभिषेक

नई दिल्ली। दिल्ली में जलभराव रोकने के लिए सरकार इस बार भी चुनौती बढ़ रही है। जलभराव के मामले में हॉटस्पॉट की संख्या बढ़कर 448 हुई है। इसमें पूर्वी दिल्ली और उत्तरी पूर्वी दिल्ली में जलभराव वाले सबसे अधिक स्थान मिले हैं। इससे पहले 2025 में 410 और 2024 में जलभराव के मामले में हॉटस्पॉट की संख्या 310 रही थी। हालांकि सरकार ने इन सभी पॉइंट के लिए अभियंताओं की तीन सदस्य टीम बनाई है। हर प्वाइंट के लिए कनिष्ठ अभियंता की जिम्मेदारी तय की गई है। विभाग ने आदेश जारी कर यह भी साफ किया है कि इन पॉइंट पर जलभराव हुआ तो अधिकारी जिम्मेदार होंगे। सरकार ने अभी से

यहां जलभराव रोकने की लिए काम करने के लिए निर्देश दिए हैं। पूर्वी और उत्तरी दिल्ली में सबसे ज्यादा हॉटस्पॉट इस साल के सर्वे में सामने आया है कि ड्रेनेज ओवरफ्लो और सड़कों पर पानी जमा होने की सबसे गंभीर समस्या पूर्वी दिल्ली और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के इलाकों में ज्यादा है। इन दोनों ही क्षेत्रों में जलभराव वाले सबसे अधिक स्थान चिह्नित किए गए हैं। घनी आबादी और संकरी गलियों वाले इन इलाकों में ड्रेनेज सिस्टम की पुरानी रूपरेखा और समय पर गाद न निकालना इस संकट का मुख्य कारण माना जा रहा है। तीन साल में 138 हॉटस्पॉट बढ़ गए यदि पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो दिल्ली में जलभराव की स्थिति साल-दर-साल और विकराल होती जा रही है। तीन सालों में हॉटस्पॉट की संख्या में हुई 138 अंकों की बढ़ोतरी दशार्ती है कि मानसून से पहले नालों की सफाई में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। लगातार गंभीर होती स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने इस बार प्रशासनिक स्तर पर कमर कस ली है। जलभराव की समस्या से तुरंत निपटने के लिए एक विशेष योजना बनाई है। यह टीम मानसून के दौरान और उससे पहले ग्राउंड जीरो पर तैनात रहकर ड्रेनेज की रुकावटों को दूर करेगी, ताकि वर्षा होते ही पानी की निकासी सुनिश्चित की जा सके।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में एक्शन में सीबीआई, दिल्ली में एनटीए मुख्यालय पहुंची जांच टीम; अधिकारियों से पूछताछ शुरू

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच अब और तेज हो गई है। इसी कड़ी में केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम सोमवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय पहुंची। सूत्रों के मुताबिक, करीब पांच सदस्यीय सीबीआई टीम एनटीए अधिकारियों से मामले से जुड़ी अहम जानकारी और दस्तावेज जुटाने पहुंची है। जांच एजेंसी परीक्षा संचालन, पेपर सुरक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण प्रक्रिया और अधिकारियों की भूमिका से जुड़े

पहलुओं की पड़ताल कर रही है। एनटीए अधिकारियों से की जा रही है पूछताछ बताया जा रहा है कि सीबीआई टीम एनटीए के कुछ अधिकारियों से पूछताछ भी कर सकती है। जांच एजेंसी इस बात का पता लगाने में जुटी है कि पेपर लीक कैसे हुआ और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही। गौरतलब है कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में लगातार विवाद और विरोध देखने को मिल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने जांच सीबीआई को सौंप दी थी। इसके बाद से एजेंसी कई राज्यों में छापेमारी और पूछताछ कर रही है। फिलहाल एनटीए मुख्यालय में सीबीआई की कार्रवाई जारी है और आने वाले समय में जांच में कई बड़े खुलासे होने की संभावना है।

27 वर्ष पुराने गैंगस्टर मामले में दोषी को 2 वर्ष कारावास, 5 हजार का सुनाया गया जुमार्ना

बुलंदशहर (सब का सपना):- विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार ने बताया कि 27 वर्ष पुराने गैंगस्टर एक्ट के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष कारावास और ड्5 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार ने बताया कि अभियुक्त नासिर पुत्र रसीद कसाई निवासी मोहल्ला कबाड़ी बाजार, गंदा नाला, कोतवाली नगर क्षेत्र का रहने वाला है। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर एक सक्रिय गिरोह बना रखा था, जिसका सरगना स्वयं नासिर था। गिरोह अवैध हथियारों के बल पर चोरी जैसे गंभीर अपराध कर आर्थिक लाभ अर्जित करता था, जिससे क्षेत्र में भय और आतंक का माहौल बना हुआ था। अभियोजन के अनुसार गिरोह के दोनों सदस्य शातिर और अभ्यस्त अपराधी थे तथा उनके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। इनके बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए तत्कालीन थाना प्रभारी कोतवाली नगर ने 14 दिसंबर 1997 को गैंग चार्ट तैयार किया था। इसी आधार पर 27 दिसंबर 1997 को गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य संकलित किए गए और आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

सुनवाई के बाद तबरेज अहमद, अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय (विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट), बुलंदशहर ने अभियुक्त नासिर को दोषी करार देते हुए 2 वर्ष कारावास तथा 5 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई है।

ब्राह्मण समाज आज करेगा राजकुमार भाटी का पुतला दहन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के नेता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज के खिलाफ कथित तौर पर अशोभनीय और आपत्तिजनक शब्दों के प्रयोग से नाराज समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि राजकुमार भाटी द्वारा दिए गए बयान से समाज में आक्रोश है। इसी के विरोध में आज सुबह 10:30 बजे कलेक्ट्रेट गेट के सामने प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान राजकुमार भाटी का पुतला दहन कर प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। समाज के लोगों का कहना है कि इस तरह की टिप्पणी से सामाजिक सौहार्द प्रभावित होता है और संबंधित नेता के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी। प्रदर्शन को लेकर प्रशासन को सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया गया है।

दिल्ली पुलिस के दूसरे विशेष आयुक्त रवींद्र सिंह यादव का अंडमान तबादला, हर गोबिंद धालीवाल की वापसी

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली पुलिस के दूसरे विशेष आयुक्त कानून व्यवस्था रवींद्र सिंह यादव का भी तबादला कर दिया गया है। उन्हें दिल्ली पुलिस से हटाकर अंडमान एंड निकोबार का डीजी बना दिया गया है। वहीं अंडमान एंड निकोबार में डीजी रहे हर गोबिंद सिंह धालीवाल को वापस दिल्ली बुला लिया गया है। उनकी जल्द दिल्ली पुलिस में वापसी हो जाएगी। 2024 में अंडमान भेजे गए थे धालीवाल अक्टूबर 2024 में धालीवाल को दिल्ली पुलिस से तबादला कर अंडमान एंड निकोबार का डीजी बना दिया गया था। वह वहां करीब 21 महीने तक रहे। दिल्ली से बाहर भेजने पर डीजी का कार्यकाल वैसे तो दो साल या उससे अधिक होता है लेकिन जल्द ही उनकी वापसी हो गई।

एएपी नेता सौरभ भारद्वाज पर नाबालिग पीड़िता की पहचान सामने लाने का आरोप, दिल्ली में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी थाने में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ एक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने 11 मई को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जनकपुरी स्कूल मामले की 3 वर्षीय नाबालिग पीड़िता से जुड़ी संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक की, जिससे उसकी पहचान उजागर होने का खतरा पैदा हुआ। यह शिकायत अधिवक्ता प्रवीण नारायण द्वारा दर्ज कराई गई है। शिकायत में सौरभ भारद्वाज पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि मामले में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि किसी वरिष्ठ राजनीतिक नेता द्वारा नाबालिग पीड़िता से जुड़ी गोपनीय जानकारी सार्वजनिक करना बेहद गैर-जिम्मेदाराना और कानून के विरुद्ध है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीबीआई का अगला डायरेक्टर कौन? आज शाम हो जाएगी नाम की घोषणा; रेस में 39 आईपीएस अधिकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के नए डायरेक्टर के नाम की भी घोषणा आज हो सकती है। गौरतलब है कि सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद का कार्यकाल कल समाप्त हो रहा है। कर्नाटक काडर के सूद को तीन साल पहले सीबीआई डायरेक्टर बनाया गया था। दो साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद पिछले एक साल से वह एक्सटेंशन पर थे। सूत्रों का कहना है कि मंगलवार को पीएमओ में हुई बैठक में सीबीआई डायरेक्टर के लिए किसी नाम पर सहमति नहीं बन पाई इसलिए आज शाम नए सीबीआई डायरेक्टर के नाम की घोषणा हो जाएगी। इस बार सीबीआई डायरेक्टर के लिए 39 आईपीएस अधिकारियों के नाम की सूची बनाई गई है, जिनमें से नाम का चुनाव होगा।

दक्षिण भारत का दबदबा, दिल्ली टॉप-10 में; नोएडा 20वें और गुरुग्राम 8वें स्थान पर

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जारी 2026 के 12वीं के क्षेत्रवार परीक्षा परिणाम में दक्षिण भारत का दबदबा साफ दिखाई दिया। ऐसे में एनसीआर की महंगी शिक्षा और परिणाम को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पासिंग प्रतिशत के मामले में दक्षिणी क्षेत्रों ने शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमाया, जबकि उत्तर भारत के कई प्रमुख क्षेत्र अपेक्षाकृत पीछे रहे। दिल्ली वेस्ट 92.34 प्रतिशत के साथ पांचवें और दिल्ली ईस्ट 91.73 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर रहा। कुल मिलाकर एनसीआर का परिणाम संतोषजनक रहा है। इसमें नोएडा 20वें और गुरुग्राम 8वें स्थान पर काबिज हो सका है। टॉप 3 में दक्षिण भारत के क्षेत्र जारी आंकड़ों के अनुसार, त्रिवेंद्रम क्षेत्र 95.62 प्रतिशत पास परिणाम के साथ देश में पहले स्थान पर रहा। इसके बाद चेन्नई (93.84 प्रतिशत), बेंगलुरु (93.19 प्रतिशत) और विजयवाड़ा (92.77 प्रतिशत) का स्थान रहा। इन चारों क्षेत्रों के शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर दक्षिण भारत की मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था को रेखांकित किया है। दिल्ली के दोनों क्षेत्र भी शीर्ष 10 में दिल्ली के दोनों क्षेत्र भी शीर्ष 10 में शामिल रहे। दिल्ली वेस्ट 92.34 प्रतिशत के साथ पांचवें और दिल्ली ईस्ट 91.73 प्रतिशत के साथ छठे स्थान

पर रहा। अहमदाबाद 90.60 प्रतिशत पास परिणाम के साथ सातवें स्थान पर रहा। नोएडा 79.02 प्रतिशत के साथ सूची वहीं, उत्तर भारत के कई प्रमुख क्षेत्र अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। गुरुग्राम का पास प्रतिशत 88.45 और लुधियाना का 87.92 रहा। नोएडा 79.02 प्रतिशत के साथ सूची में निचले हिस्से में 20वें स्थान पर रहा, जबकि प्रयागराज 72.43 प्रतिशत पास परिणाम के साथ सबसे पीछे रहा। पटना का परिणाम भी 74.45 प्रतिशत दर्ज किया गया। क्या कहते हैं शिक्षाविद? शिक्षाविदों का मानना है कि दक्षिण भारत में स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता, नियमित मूल्यांकन प्रणाली और विद्यार्थियों पर सतत निगरानी बेहतर परिणाम का प्रमुख कारण है। वहीं उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में बुनियादी शैक्षणिक चुनौतियां और प्रतिस्पर्धात्मक दबाव परिणामों को प्रभावित कर रहे हैं। सीबीएसई के क्षेत्रवार आंकड़ों ने देश के विभिन्न हिस्सों में शिक्षा की गुणवत्ता और तैयारी के स्तर के बीच मौजूद अंतर को भी उजागर किया है। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनः त्रिवेंद्रम, चेन्नई और बेंगलुरु ने 93% से ऊपर पास प्रतिशत हासिल किया। सबसे कमः प्रयागराज (72.43%) और पटना (74.45%) सबसे नीचे रहे। दिल्ली के दोनों जोन (ईस्ट और वेस्ट) अच्छे टॉप-10 में शामिल रहे। अन्य महत्वपूर्ण आंकड़े कुल पंजीकृत छात्रः 18,57,517 सभी विषयों में परीक्षा देने वालेः 98,66,622 कुल सफल छात्र-छात्राएंः 15,07,109 लड़कियों का पास प्रतिशतः 88.86% लड़कों का पास प्रतिशतः 82.13% लड़कियों ने लड़कों से इस बार भी 6.73 प्रतिशत अधिक पास प्रतिशत के साथ बेहतर प्रदर्शन किया।

हिंदी दैनिक
सब का सपना

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

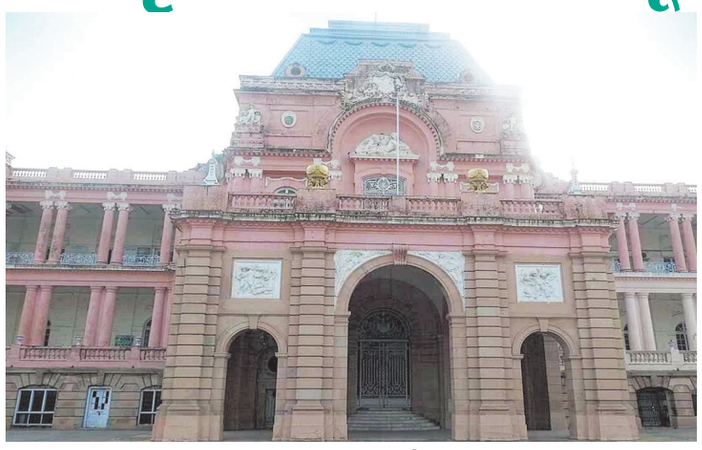

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फ्पंजाबी वर्सायफ् के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं। महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

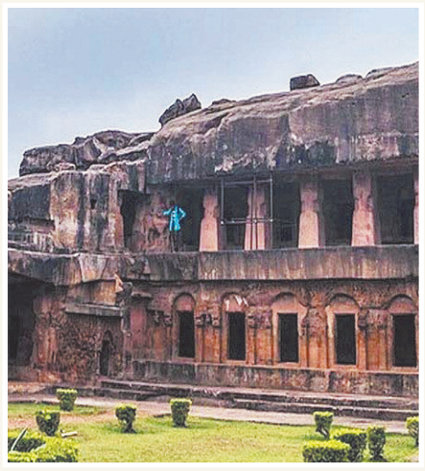

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

प्रियदर्शन के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे शानदार अनुभव

मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई है। उन्होंने फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करने के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। एकता ने इंस्टाग्राम पर प्रियदर्शन के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रोड्यूसर ने अपनी पोस्ट में बताया कि कैसे दो अलग और मजबूत विचारधारा वाले लोगों ने आपसी सम्मान के साथ एक बेहतरीन प्रोजेक्ट पर काम किया। एकता ने लिखा, 'मैं एक ऐसे इंसान के साथ काम कर रही थी, जो अपनी 100वीं फिल्म बना रहे थे। लोगों को लगा था कि हम दोनों जैसे मजबूत सोच वाले लोग साथ आएंगे तो शायद टकराव होगा लेकिन उन्होंने यह नहीं देखा कि हमारे बीच कितना गहरा सम्मान था। मुझे नहीं लगता कि मैंने प्रियदर्शन के साथ काम करने जितना मजा किसी और के साथ किया है।' एकता ने एक दिलचस्प वाक्य शेयर करते हुए बताया कि काम शुरू करने से पहले ही प्रियदर्शन ने उनसे एक बेहद खास सवाल पूछा था। प्रियदर्शन ने उनसे पूछा, 'एकता, क्या तुम इस फिल्म से पैसा कमा रही हो? मैं उस फिल्म पर काम नहीं करता जिसमें प्रोड्यूसर को फायदा न हो।'
एकता ने लिखा, 'उनकी सोच और काम करने का तरीका बहुत खास है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रोड्यूसर सुरक्षित रहे। तभी मुझे भरोसा हो गया था कि फिल्म और कंपनी का पैसा दोनों सही हाथों में हैं।' एकता ने उनके अनुशासन और विजन की तारीफ करते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए लिखा, 'ऐसा नहीं है कि हमारे बीच कभी मतभेद नहीं हुए लेकिन हर बार बात सम्मान के साथ हुई।

बेबाक अंदाज पर उर्वशी रौतेला अब नहीं देतीं सफाई

किस कारण से बदली सोच

उर्वशी रौतेला अपनी बोल्ड और उल्टी-सीधी बातों के किए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। फिल्मों में उनके अभिनय को लेकर कम ही चर्चा होती है। हाल ही में इस पूरी कंडीशन पर उर्वशी रौतेला ने एक इंटरव्यू में बातचीत की है। उनका कहना है कि वह दूसरों के सामने अब खुद को सही साबित करने की कोशिश नहीं करती है, अपनी बातों पर कोई सफाई नहीं देती है।

उर्वशी की नजर में महत्वकांक्षा को दिखावा समझा जाता है

जब उर्वशी से पूछा गया कि उनकी कही बातों और दावों का लोग मजाक बनाते हैं। उनके बारे में गलतफहमी पैदा होती है? तो वह क्या करती हैं? इस पर की गई बातचीत में उर्वशी रौतेला कहती हैं, 'मुझे लगता है कि लोग कभी-कभी महत्वाकांक्षा को दिखावा समझ लेते हैं। खासकर तब जब कोई महिला पब्लिक स्पेस में बहुत ज्यादा नजर आती है।' उर्वशी आगे कहती हैं, 'अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई ग्लैमर को अपनाता है या फैशन का शौकीन है, तो वह बहुत ज्यादा फोकस्ड होगा।'

लोगों की सोच पर क्या बोलीं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला का कहना है कि वह अब खुद को साबित करने पर जोर नहीं देती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'पहले मुझे यह साबित करने की जरूरत महसूस होती थी कि मैं उस इमेज से कहीं ज्यादा हूं जो लोग देखते हैं। लेकिन अब मुझे समझ आ गया है कि आप अपनी जिंदगी सिर्फ लोगों की सोच को लगातार ठीक करने में नहीं गुजार सकते हैं।' उर्वशी आगे कहती हैं, 'मैंने खुद को ज्यादा समझाने की कोशिश करना छोड़ दिया है। मैं तो बस आगे बढ़ती रहूंगी और समय को ही यह बताने दूंगी कि मैं असल में कौन हूं।'

उर्वशी रौतेला का करियर फ्रंट

जल्द ही उर्वशी रौतेला सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में नजर आएंगी। इस सीरीज में लीड रोल में रणदीप हुड्डा हैं। यह सीरीज अपराध और राजनीति की कहानी को कहती है। यह सीरीज का दूसरा सीजन है। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं, अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं।

बॉक्स ऑफिस नंबर और लोगों की राय अस्थायी

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि उनके लिए सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों या समीक्षकों की तारीफ तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके लिए यह मायने रखता है कि वह अपने अभिनय से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ पा रही हैं।

जब अदा शर्मा से पूछा गया कि करियर के इस पड़ाव पर वह सफलता को कैसे मापती हैं, तो उन्होंने जवाब में बताया, 'बॉक्स ऑफिस उस शोर मचाने वाले दोस्त की तरह है जो चिल्लाता है 'द केरल स्टोरी ने 375 करोड़ कमाए, यह फिल्म महिला प्रधान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है', और निश्चित रूप से जब ऐसा होता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार भी महसूस करती हूं, लेकिन आपके काम की आलोचनात्मक समीक्षा उस बुद्धिमान मित्र की तरह है जो ज्यादा नहीं बोलता, लेकिन जब वह तारीफ करता है तो आपको ऐसा लगता है जैसे आपने कोई परीक्षा पास कर ली है।' 2008 में हिंदी हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस किया था। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'संख्याएं और राय आती-जाती रहती हैं; मेरे लिए जो मायने रखता है वह यह है कि दर्शक दृश्यों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, प्रदर्शन और संवादों को कैसे याद रखते हैं।'
'द केरल स्टोरी' से अपार सफलता हासिल करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि उनके प्रशंसक आज भी 1920 और सनफ्लावर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझसे मिलने वाले बहुत से लोग मुझे बताते हैं कि 1920 ने उन्हें कैसे डरा दिया, सनफ्लावर ने उन्हें कैसे हंसाया और द केरल स्टोरी ने उन्हें कैसे रुलाया। अदा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। खबरों के मुताबिक, यह फिल्म एस. वेंकिटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने भारत के 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया और देश के वित्तीय बचाव काल से उनका गहरा संबंध था। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है और यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि फिल्म वाकई उन्हीं पर आधारित है या नहीं। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। उन्हें आखिरी बार विक्रम भट्ट की फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में अनुपम खेर, इश्वक सिंह, अदा शर्मा और ईशा देओल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

धमाल मचाने को तैयार सूर्या और तृषा कृष्णन

फिल्म 'करुप्पु' को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

सूर्या की आगामी फिल्म 'करुप्पु' ने अपनी सेंसर प्रक्रिया पास कर ली है और इसे पास कर दिया गया है। यह फिल्म 14 मई को रिलीज होने जा रही है। सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद यह फिल्म अपने तय समय पर रिलीज को तैयार है। इसमें सूर्या के साथ तृषा की जोड़ी जमेगी।

वर्ल्डवाइड रिलीड होगी फिल्म

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित एक्टर सूर्या की फिल्म 'करुप्पु' एक एक्शन ड्रामा मूवी है। यह वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। सेंसर प्रक्रिया से गुजरने के बाद फिल्म को 'U/' सर्टिफिकेट मिल गया है। फिल्म के टीजर और अन्य प्रमोशनल वीडियो ऑनलाइन रिलीज होने के बाद से ही इसने लोगों में काफी दिलचस्पी जगाई है। इस फिल्म में अभिनेत्री तृषा फीमेल लीड रोल कर रही हैं। वे एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। इसमें उनका नाम प्रीति है।

प्रमोशन में व्यस्त हैं मेकर्स

इस फिल्म में कई वर्षों बाद सूर्या और तृषा की रीयूनियन भी होने जा रही है। इससे इसकी रिलीज को लेकर लोगों का ध्यान और भी ज्यादा बढ़ गया है। सर्टिफिकेशन से जुड़ा अपडेट ऑनलाइन शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'फिल्म 'करुप्पु' को UA सर्टिफिकेट मिला है और यह 14 मई से दुनियाभर के सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है'। फिलहाल मेकर्स इसके प्रमोशन में जुटे हैं।

ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

सूर्या के साथ-साथ, फिल्म में इंद्रन्स, नैटी, योगी बाबू, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी और अन्य कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर ने तैयार किया है। सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है। फिल्म के स्टंट सीक्वेंस विक्रम मोर ने कोरियोग्राफ किए हैं। एक्शन, ड्रामा और आध्यात्मिकता से भरपूर इस फिल्म को लेकर दर्शक उत्साहित हैं।

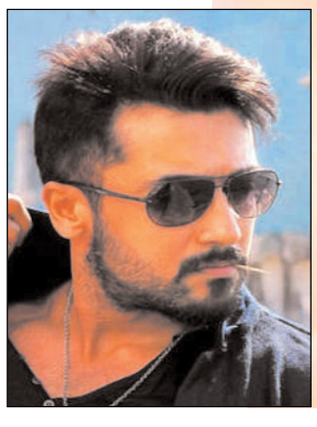

कृति सेनन ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली बार कृति सेनन और रश्मिका मंदाना साथ में नजर आएंगी। अक्सर जब दो ए लिस्ट एक्ट्रेस एक ही फिल्म में आती हैं, तो चर्चाएं बटोरती हैं। अब हाल ही में कृति ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है।

रश्मिका बहुत अच्छी हैं

हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में कृति सेनन ने रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि रश्मिका बहुत ही सच्ची, दयालु, प्यारी और मिलनसार हैं। उनमें जरा भी इनसिक्योरिटी नहीं है। बस अच्छाई ही अच्छाई है और मुझे लगता है कि मैं पॉजिटिव एनर्जी से अट्रैक्ट होती हूं। अगर मुझे किसी की ऊर्जा और पॉजिटिविटी महसूस होती है, तो मैं उसकी ओर आकर्षित हो जाती हूं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया, और वह कमाल की हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं।

यह सीक्वल नहीं है

कृति ने 'कॉकटेल 2' और 2012 में आई 'कॉकटेल' के बीच होने वाली तुलना पर भी बात की। एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि यह 'कॉकटेल' का सीधा सीक्वल नहीं है। यह एक अलग कहानी और किरदारों वाली फ्रेंचाइज फिल्म है। तुलनाओं के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि मुझे यकीन है कि तुलना तो होगी ही, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह कोई सीक्वल नहीं है। यह एक फ्रेंचाइज है। इसलिए यह एक अलग ही माहौल वाली फ्रेंचाइज है और इसके किरदार अलग-अलग हैं।

2021 में आई थी 'कॉकटेल'

साल 2012 में आई 'कॉकटेल' में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। 'कॉकटेल' अपने संगीत, किरदारों और आधुनिक रिश्तों के ड्रामे के लिए कई साल से एक कल्ट फिल्म बन गई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी और इसे पसंद किया गया था।

19 जून को रिलीज होगी

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। कई लोगों का मानना है कि फिल्म शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव ट्रायंगल पर आधारित होगी। निर्देशक होमी अदजानिया ने भी इन अफवाहों पर मजाकिया प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म का गाना 'जब तलक' भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।